AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

विवि नहीं, कॉलेज स्तर पर हो स्नातक की पढ़ाई

एनईपी ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष के. कस्तूरीरंगन ने कहा- तीन स्तर के हों उच्च शिक्षण संस्थान

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शनिवार को होने वाले दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि व इसरो के पूर्व चेयरमैन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष रहे के. कस्तूरीरंगन ने कहा है कि एनईपी में तीन स्तर के उच्च शिक्षण संस्थानों की बात कही गई है।

एक शोध कराने वाले, दूसरे पढ़ाई व शोध कराने वाले और तीसरे डिग्री स्तर की पढ़ाई कराने वाले ऑटोनॉमस कॉलेज। इसमें स्नातक की पढ़ाई विश्वविद्यालय के बजाय कॉलेज स्तर पर कराने पर जोर है। ये कॉलेज ऑटोनॉमस होने के साथ समूह हों। यहां अच्छे शिक्षक हों और वित्तीय रूप से भी इनकी सहायता हो। कुल मिलाकर ये यह पूरी तरह से आत्मनिर्भर हों।

दीक्षांत समारोह में शिरकत करने पहुंचे कस्तूरीरंगन ने राजभवन में आयोजित वार्ता में कहा कि युवाहटों में इस तरह की शुरुआत हो चुकी है। अन्य प्रदेशों को भी इस मॉडल को लागू करना चाहिए, तभी उच्च शिक्षा और वोकेशनल शिक्षा को बढ़ावा दिया जा सकेगा।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि एनईपी लागू करने से पहले हमने सात-आठ साल रिसर्च और संवाद किया है। हर स्टेक होल्डर, हर धर्म, हर उम्र के लोगों से बात की है। उनकी जरूरतों व शिक्षकों के भी संवर्धन को ध्यान में रखकर इसे ड्राफ्ट किया गया है।

इसका उद्देश्य इंटीग्रेटेड, इंटर डिसिप्लिनरी, मल्टी डायमेंशनल एजुकेशन प्रदान करने संग युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करना है। समाज की जरूरत को भी ध्यान में रखा है। कस्तूरीरंगन ने बताया कि हमने एनईपी पर काम 2014 में तत्कालीन शिक्षा मंत्री स्मृति ईरानी के समय में शुरू किया था। 2021 में इसे लागू किया। इसके पूरी तरह से प्रभावी होने में 10 साल यानी 2031 तक का समय लगने की उम्मीद है। इसके बाद फिर इसका मूल्यांकन कर आवश्यक बदलाव किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसमें एक और लक्ष्य ध्यान में रखा गया है और वह है ग्रीस इनोलेटिव सैसियो। इसको बढ़ाने पर ध्यान दिया गया है। जब तक यह स्कूल स्तर पर नहीं लागू होगा, इसे आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। इसमें शिक्षकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है।

के. कस्तूरीरंगन।

शिक्षक 21वीं सदी के अनुसार हों ट्रेंड

कस्तूरीरंगन ने कहा कि विद्यार्थियों को ही नहीं शिक्षकों को भी 21वीं सदी के अनुसार ट्रेंड होना होगा। इसके लिए विश्वविद्यालयों के शिक्षा विभाग काम करें। वे शिक्षकों को अपडेट करें। अन्य विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर उनकी अच्छी प्रैक्टिस का प्रशिक्षण प्रदान करवाएं। शोध में क्या नया हो रहा है, उन्हें जानकारी दें। तभी हम शिक्षा व्यवस्था को अपडेट कर आज की जरूरत के अनुसार बना सकेंगे।

मातृ भाषा से बेहतर समझ किसी में नहीं

इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में कराने के रुझान पर उन्होंने कहा कि जर्मनी, फ्रांस, जापान आदि इसमें बहुत आगे हैं। हम बहुत पीछे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी चीज, सिलेबस को समझने के लिए मातृ भाषा से बेहतर कुछ नहीं है। मातृ भाषा में हमारे सोचने-समझने की क्षमता बढ़ जाती है। इसे और मजबूत करने के लिए ही ऐसा किया गया है। इसका वैज्ञानिक कारण भी है। उन्होंने कहा कि इसरो में वर्तमान केंद्र सरकार ने बहुत काम किया है। गगनयान, मंगलयान के बाद अब प्लेनेट और वीनस पर काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि रिमोट सेंसिंग कम्युनिकेशन पर भी काम करने की जरूरत है। साथ ही न्यू स्मॉल इंटरप्रेन्योरेशिप को भी बढ़ावा देने की जरूरत है।

दीक्षांत उत्सव में किया धमाल

दीक्षांत उत्सव के तहत आयोजित टूर्नामेंट में भिड़तीं टीमें। - अमर उजाला

लखनऊ। लविवि के दीक्षांत उत्सव के तहत शुक्रवार को भी कई प्रतियोगिताएं। सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने जमकर धमाल किया। न्यू कैंपस के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग के आडिटोरियम में छात्र-छात्राओं ने गीत, संगीत और नृत्य की प्रस्तुति दी। इसका उद्घाटन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। कार्यक्रम में डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन, निदेशक सांस्कृतिकी प्रो. मधुरिमा, चीफ प्रॉक्टर प्रो. राकेश कुमार द्विवेदी, सेकेंड कैंपस के निदेशक प्रो. बीडी सिंह आदि मौजूद थे। इससे पहले सुबह स्पोर्ट्स सेंटर की ओर से इंटर कॉलेजिएट क्रॉस कंट्री रेस व इंटर कॉलेजिएट टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। क्रॉस कंट्री में छात्राओं में रहीं। कार्यक्रम में राज्यपाल 10 शिक्षकों की किताबों का विमोचन और न्यू कैंपस स्थित नवनिर्मित 200 बेड के गर्ल्स हॉस्टल व कर्मचारी आवास का लोकार्पण भी करेंगे। दीक्षांत समारोह के लिए शुक्रवार को फुल ड्रेस रिहर्सल हुआ। इसमें कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के साथ मुख्य अतिथि पद्म विभूषण के कस्तूरीरंगन की भूमिका में प्रो. आरके सिंह, राज्यपाल की भूमिका में प्रो. गोविंदजी मिश्रा, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय व उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी की भूमिका में प्रो. मीनाक्षी पाहवा ने छात्र-छात्राओं को पदक दिए। इसमें आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। दूसरे दिन भी न्यू कैंपस में मेधाविओं को दीक्षांत समारोह के लिए ड्रेस का वितरण किया गया। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि : दीक्षांत आज, 101 मेधावियों को मिलेंगे 189 मेडल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का 65वां दीक्षांत समारोह शनिवार को न्यू कैंपस में सुबह 10.30 बजे से आयोजित किया जाएगा। इसमें 101 मेधावियों को 189 मेडल दिए जाएंगे। समारोह में 42,688 विद्यार्थियों को डिग्री दी जाएगी। समारोह के तुरंत बाद इन सभी की डिग्री डिजी लॉकर में उपलब्ध होगी। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि इसरो के पूर्व चेयरमैन व एनईपी ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष के. कस्तूरीरंगन होंगे। समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी। समारोह में जेनेका फार्मास्यूटिकल्स के सीईओ व लविवि के पूर्व छात्र डॉ. संजय सिंह को मानद उपाधि दी जाएगी। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय व उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी मौजूद रहेंगी। कार्यक्रम में राज्यपाल 10 शिक्षकों की किताबों का विमोचन और न्यू कैंपस स्थित नवनिर्मित 200 बेड के गर्ल्स हॉस्टल व कर्मचारी आवास का लोकार्पण भी करेंगी। दीक्षांत समारोह के लिए शुक्रवार को फुल ड्रेस रिहर्सल हुआ। इसमें कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के साथ मुख्य अतिथि पद्म विभूषण के कस्तूरीरंगन की भूमिका में प्रो. आरके सिंह, राज्यपाल की भूमिका में प्रो. गोविंजदेव मिश्रा, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय व उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी की भूमिका में प्रो. मीनाक्षी पाहवा ने छात्र-छात्राओं को पदक दिए। - अमर उजाला

लविवि में दीक्षांत की रिहर्सल। - अमर उजाला

आखिरी दिन हुईं कई प्रतियोगिताएं, खेलकूद का फाइनल

कॉलेजिएट टेबल टेनिस प्रतियोगिता आयोजित की गई। क्रॉस कंट्री में छात्राओं में आरएमपीजी कॉलेज की खुशनूर व छात्रों में कालीचरण के इस्लाम अली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। टेबल टेनिस छात्र वर्ग में लविवि के यश प्रताप सिंह तथा छात्राओं में रजत पीजी कालेज की पलक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में ओल्ड कैंपस में चल रही खेलकूद प्रतियोगिताओं का भी फाइनल हुआ। भौतिक विज्ञान विभाग की ओर से क्विज व स्केचिंग, पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। विभागाध्यक्ष प्रो. एनके पांडेय ने विजेताओं के नामों की घोषणा की। मानवशास्त्र विभाग की पोस्टर प्रतियोगिता में आदिवासी कला के रूपों को केंद्रित किया गया। प्रो. राकेश चंद्रा निर्णायक रहे। इतिहास विभाग में भारतीय दर्शन में मूल्य चिंतन विषय पर अंतर्विभागीय निबंध प्रतियोगिता हुई। इसमें प्रो. राकेश चंद्रा, डॉ. राजेश्वर प्रसाद यादव, डॉ. राजेंद्र वर्मा ने छात्र-छात्राओं का उत्साह बढ़ाया। (माई सिटी रिपोर्टर)

बीटेक, लॉ, बीबीए के फॉर्म 25 तक भरें

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय व सहयुक्त महाविद्यालयों में बीटेक, लॉ, बीबीए, एमबीए में नियमित व बैक पेपर के परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि 25 जनवरी तक बढ़ा दी गई है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी के अनुसार विवि के नियमित छात्रों को परीक्षा फॉर्म भरने के लिए अलग से कोई शुल्क नहीं देना है। कॉलेज के विद्यार्थी परीक्षा शुल्क देकर फॉर्म भरें। भरे हुए परीक्षा फॉर्म 27 जनवरी तक विवि में उपलब्ध कराना है। (माई सिटी रिपोर्टर)

i-NEXT PAGE 2

25 तक भरे जाएंगे एमबीए, बीबीए के परीक्षा फार्म

LUCKNOW : लखनऊ विश्वविद्यालय के विषम सेमेस्टर दिसंबर-2022 के एमबीए, बीबीए, विधि (त्रिवर्षीय, आनर्स), इंजीनियरिंग संकाय के रंगूलर, बैक पेपर एवं ड्रवाइमेंट्ड परीक्षा के आनलाइन फार्म भरने की तिथि बढ़ा दी है. अब 25 जनवरी तक आनलाइन परीक्षा फार्म www.lkouniv.ac.in व www.lkouniexam.in के माध्यम से भरे जा सकेंगे. छात्र-छात्राएं फार्म न खुलने को लेकर काफी परेशान थे. छात्रहित को ध्यान में रखते हुए यह तिथि अब बढ़ा दी गई है.

एलयू: क्रॉस कंट्री में जीते खुशनूर, इस्लाम अली

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के 65वें दीक्षांत समारोह सप्ताह का आखिरी दिन भी प्रतियोगिताओं के साथ समाप्त हुआ। शुक्रवार को एलयू स्कोट्स ऐंड कल्चरल कमेटी के द्वितीय परिसर स्थित विश्वकर्मा आडिटोरियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन छात्र-छात्राओं द्वारा किया गया। सांस्कृतिक संध्या का उदघाटन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। साथ ही स्पोर्ट्स सेंटर द्वारा इंटर-कॉलेजिएट क्रॉस कंट्री रेस और इंटर-कॉलेजिएट टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। क्रॉस कंट्री में छात्राओं में आरएमपीजी कालेज की खुशनूर और छात्रों में कालीचरण के इस्लाम अली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं टेबल टेनिस छात्र वर्ग में लखनऊ विश्वविद्यालय के यश प्रताप सिंह और छात्राओं में रजत पीजी कालेज की पलक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टण्डन, निदेशक सांस्कृतिक प्रो. मधुरिमा लाल, चीफ प्राक्टर प्रो. राकेश कुमार द्विवेदी सहित अन्य शिक्षक व छात्र मौजूद रहे।

65 में दीक्षांत सप्ताह समारोह में स्पर्धा

अरएमपीजी कालेज की खुशनूर और छात्रों में कालीचरण के इस्लाम अली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं टेबल टेनिस छात्र वर्ग में लखनऊ विश्वविद्यालय के यश प्रताप सिंह और छात्राओं में रजत पीजी कालेज की पलक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसमें आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। दूसरे दिन भी न्यू कैंपस में मेधाविओं को दीक्षांत समारोह के लिए ड्रेस का वितरण किया गया। (माई सिटी रिपोर्टर)

JAGRAN CITY PAGE III

लवि दीक्षा समारोह आज, दिए जाएंगे 189 मेडल

इसरो के पूर्व अध्यक्ष के. कस्तूरीरंगन होंगे मुख्य अतिथि, जेनोवा बायो फार्मास्यूटिकल्स के डा. संजय सिंह को मानद उपाधि

लखनऊ विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF LUCKNOW
६५ वाँ दीक्षान्त समारोह
65th CONVOCATION CEREMONY

लखनऊ विश्वविद्यालय के 65वें दीक्षांत समारोह के कुलाधिपति रिहर्सल में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, मुख्य अतिथि पद्म विभूषण डा. के. कस्तूरीरंगन के स्थान पर प्रोफेसर आरके सिंह, राज्यपाल पद कुलाधिपति, लखनऊ विश्वविद्यालय आनंदीबेन पटेल के स्थान पर प्रोफेसर गोविंजदेव मिश्रा, विशिष्ट अतिथि मंत्री उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश रजनी तिवारी के स्थान पर प्रोफेसर मीनाक्षी पाहवा ने छात्र-छात्राओं को पदक दिए। - सौरभ - लवि

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के 65वें दीक्षांत समारोह का आयोजन शनिवार को जानकीपुरम स्थित द्वितीय परिसर में सुबह 11 बजे से 1.30 बजे तक होगा। समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल करेंगी। बतौर मुख्य अतिथि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष पद्म विभूषण कृष्णास्वामी कस्तूरी रंगन होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी मौजूद रहेंगी। समारोह में 101 मेधावियों में 189 मेडल दिए जाएंगे। इस बार दीप प्रज्वलन की जगह पहली बार जल भरो कार्यक्रम होगा। विश्वविद्यालय के कुलगीत की प्रस्तुति में विद्यार्थियों के साथ शिक्षक भी शामिल होंगे। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण लिंक https://www.youtube.com/@lkouniv_official के माध्यम से देखा जा सकेगा। समारोह में जेनेका बायो फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड पुणे के सीईओ डा. संजय सिंह को मानद उपाधि दी जाएगी। वह लवि के पूर्व छात्र हैं। वर्ष 1983 से 1985 तक बीएससी, फिर 1987 में एमएससी बायोकेमिस्ट्री से पढ़ाई की थी।

द्वम रिहर्सल, दूर की नई कविता : दीक्षा समारोह की तैयारियां देखने के लिए शुक्रवार को सुबह 11.30 बजे से द्वितीय परिसर स्थित आयोजन स्थल पर रिहर्सल किया गया। मुख्य अतिथि के कस्तूरीरंगन की भूमिका में प्रो. आरके सिंह नजर आए। वहीं, कुलाधिपति का रोल प्रो. गोविंजदेव मिश्रा, उच्च शिक्षा मंत्री के रूप में डॉन रिसर्च प्रो. राजीव पांडेय और उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी के स्थान पर प्रो. मीनाक्षी पाहवा ने छात्र-छात्राओं को पदक दिए। - सौरभ - लवि

प्रमुख मेडल

- वंसल वंसल गोल्ड मेडल : राजश्री तायी, विधि छात्रा
- बाबा वंसल गोल्ड मेडल (बेस्ट एनसीसी कैडेट) : रितिक कुमार सिंह, बीए आनर्स
- डा. चक्रवर्ती गोल्ड मेडल चार सर्विस : डा. उदयवीर वर्मा, (पीएचडी)
- पीरी मेमोरियल गोल्ड मेडल- बेस्ट स्टूडेंट्स इन कालेज (एथलेटिक) : अरजत शर्मा, बीए तृतीय वर्ष, सौभी गुप्ता बीएससी महाविद्यालय चंद्रावत।
- राजा शंकर सहाय आफ भोराबा गोल्ड मेडल चार सर्वोत्तम (बाविंग) फार बेस्ट एकेडमिक रिकार्ड : सक्षम सिंह, बीए, तृतीय सेमेस्टर, एलयू

42,688	101	189	200
डिग्री पाने वाले विद्यार्थी	मेडल पाने विद्यार्थी	मेडल वितरण	बेड की क्षमता वाला गंगा छात्रावास, कर्मचारियों के लिए नए आवास का होगा लोकार्पण

इन्हें मिलेंगे कई मेडल

आकांक्षा वर्मा	09 मेडल
अमृता श्रीवास्तव	09 मेडल
निधि तिवारी	07 मेडल
प्रज्ञा यादव	06 मेडल
चंदन यादव	04 मेडल
दिपाली तिवारी	04 मेडल
प्रिया सिंह	04 मेडल
रोली यादव	04 मेडल
अनिशा पांडेय	04 मेडल
यशी नेगी	04 मेडल

दीक्षा समारोह के प्रमुख मेडल

- वांसल गोल्ड मेडल : राजश्री तायी, विधि छात्रा
- बीरी गोल्ड मेडल (बेस्ट एनसीसी कैडेट) : रितिक कुमार सिंह, बीए आनर्स
- डा. चक्रवर्ती गोल्ड मेडल चार सर्विस : डा. उदयवीर वर्मा, (पीएचडी)
- पीरी मेमोरियल गोल्ड मेडल- बेस्ट स्पोर्ट्समैन इन कालेज (एथलेटिक) : कशल शर्मा, बीए तृतीय वर्ष, सौभी गुप्ता बीएससी महाविद्यालय चंद्रावत
- राजा शंकर सहाय आफ भोराबा गोल्ड मेडल चार सर्वोत्तम (बाविंग) फार बेस्ट एकेडमिक रिकार्ड : सक्षम सिंह, बीए, तृतीय सेमेस्टर, एलयू

एनईपी को लागू करने में लगेंगे 10 वर्ष : कस्तूरीरंगन

नई दिल्ली, लखनऊ : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष एवं नई शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 की ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष रहे कृष्णास्वामी कस्तूरीरंगन ने कहा है कि नई शिक्षा नीति का मकसद युवाओं को उनकी रुचि के अनुसार पढ़ाई करने का मौका देना है। इससे वह अपनी रुचि के अनुसार पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकेंगे। साथ ही कैरियर चुनने के लिए भी तैयार हो सकेंगे। हालांकि अभी इसे पूरी तरह से अमल होने में 10 साल का समय लगेगा, जिसके बाद इसका दोबारा मूल्यांकन किया जाएगा। वह लखनऊ विश्वविद्यालय में शनिवार को होने वाले दीक्षा समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने के लिए शुक्रवार को राजभवन पहुंचकर पत्रकारों से रूबरू हुए। इस मौके पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने राजभवन जाकर उनसे मुलाकात की।

राजभवन के अतिथि गृह में पत्रकारों से बातचीत में कृष्णास्वामी कस्तूरीरंगन ने नई शिक्षा नीति पर बात की। उन्होंने कहा कि पिछले काफी समय से शिक्षा नीति में बदलाव नहीं हुआ था, इसलिए इसकी जरूरत पड़ी। वर्ष 2014 से नई शिक्षा नीति पर काम करना शुरू कर दिया था। केंद्र सरकार की पूरी मदद भी मिली। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इसे तैयार करने में काफी चुनौतियां थीं। क्षेत्रीय भाषाओं के आधार पर पाठ्यक्रमों को चलाने के बारे में विचार किया तो भाषा के जानकारों से बातें की। भारतवर्ष, शिक्षण संस्थाओं से लेकर सभी लोगों से सोच, समझ और समझाने की कोशिश की गई। इसमें हर स्तर पर बेहतर किया जा सकता है। उन्होंने क्षेत्रीय भाषाओं में इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई कराने के सवाल पर कहा कि अगर हम अच्छी तरह से सोचें, समझ और समझा सकता है। उन्होंने इसका उदाहरण भी दिया।

इसरो के पूर्व अध्यक्ष डा. कृष्णास्वामी कस्तूरीरंगन से मुलाकात करते लवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय। - सौ. लवि

इस पर सुझाव दिए, ताकि इसे लागू करने में परेशानी न आए।

डी लेवर सिस्टम हमारे पहुंचेगा सिस्टम की जरूरत

कृष्णास्वामी कस्तूरीरंगन ने एक सवाल के जवाब में उच्च शिक्षा में डी लेवर की बात कही। पहली लेवर में रिसर्च यूनिवर्सिटी, दूसरा विजि टीचिंग और तीसरा डिग्री देने वाले ऑटोनमस संस्थान होना चाहिए। इससे हर स्तर पर बेहतर किया जा सकता है। उन्होंने क्षेत्रीय भाषाओं में इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई कराने के सवाल पर कहा कि अगर हम अच्छी तरह से सोचें, समझ और समझा सकता है। उन्होंने इसका उदाहरण भी दिया।

दीक्षांत समारोह की पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में सोलो और ग्रुप डांस में दिखाई प्रतिभा

लविवि के द्वितीय परिसर में दीक्षा समारोह की पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फैकल्टी आफ इंजीनियरिंग स्थित विश्वकर्मा सभागार में हुए इस आयोजन में सोलो डांस, ग्रुप डांस और सिंगिंग में छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा दिखाई। सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी लखनऊ विश्वविद्यालय के गौरवशाली अतीत और वर्तमान पर आधारित थी और स्केचिंग और पेंटिंग 2023 के जी20 शिखर सम्मेलन पर आधारित थी। स्केचिंग और पेंटिंग प्रतियोगिता के विजेता आदर्श पटेल, अवंतिका शुक्ला, अश्मिता सक्सेना और विवेक कुमार यादव रहे। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता की विजेता टीम जयंत श्रीवास्तव, राहुल सिंह, आदर्श पटेल, प्रीति यादव, आस्था यादव, श्रद्धा गौतम एवं प्रदुम्न प्रताप सिंह रहे। प्रत्येक वर्ग में पूरे विश्व से छात्र आकर हमारे ग्लोरी सर्वोत्तम लग्न विश्वविद्यालयों में अध्ययन करते थे, क्योंकि हमारे यहां की शिक्षा पद्धति बाहरी देशों की शिक्षा व्यवस्था से अच्छी थी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो के पूर्व अध्यक्ष कृष्णास्वामी कस्तूरीरंगन ने बताया कि हमने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर साल 2014 से ही काम करना शुरू कर दिया था।

उस वक्त हमें तत्कालीन मंत्री स्मृति ईरानी और केंद्र सरकार का खासा सहयोग मिला। उन्होंने इस शिक्षा पाठ्यक्रमों को चलाने के बारे में सोच रहे थे। उस समय हमने हर एक भाषा के जानकारों से बात की। साथ ही हमने शिक्षण संस्थाओं, धार्मिक शिक्षण संस्थाओं, मदरसा और ईसाई समुदाय से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारियों से बातचीत उनका पक्ष लिया गया ताकि इसे लागू करने में दिक्कत न हो।

मातृभाषा में पढ़ाई सबसे बेहतर

डॉ. कस्तूरीरंगन ने कहा कि भारत हमेशा से शिक्षा का बड़ा केंद्र रहा है। प्राचीन काल में नालंदा व अन्य विश्वविद्यालयों की शिक्षा प्रणाली बहुत ही अच्छी थी। यहां हर कोई पढ़ना चाहता था। उन्होंने क्षेत्रीय भाषाओं में इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई पर कहा कि कोई भी व्यक्ति अपनी मातृभाषा में अच्छी तरह से समझ कर उसमें पढ़ाई कर सकता है। इससे नतीजे भी अच्छे मिलते हैं।

धार्मिक शिक्षण संस्थाओं से भी लिए सुझाव

इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. कस्तूरीरंगन ने एनईपी-2020 को तैयार करने के दौरान चुनौतियों पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि इन चुनौतियों के बीच हर एक समस्या का हल निकाल कर एनईपी ड्राफ्ट की गई। क्षेत्रीय भाषाओं के आधार पर पाठ्यक्रमों को चलाने के बारे में नीति बनाते समय शिक्षण संस्थाओं, धार्मिक शिक्षण संस्थाओं, मदरसा और ईसाई समुदाय से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारियों से बातचीत उनका पक्ष लिया गया ताकि इसे लागू करने में दिक्कत न हो।

मातृभाषा में पढ़ाई सबसे बेहतर

डॉ. कस्तूरीरंगन ने कहा कि भारत हमेशा से शिक्षा का बड़ा केंद्र रहा है। प्राचीन काल में नालंदा व अन्य विश्वविद्यालयों की शिक्षा प्रणाली बहुत ही अच्छी थी। यहां हर कोई पढ़ना चाहता था। उन्होंने क्षेत्रीय भाषाओं में इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई पर कहा कि कोई भी व्यक्ति अपनी मातृभाषा में अच्छी तरह से समझ कर उसमें पढ़ाई कर सकता है। इससे नतीजे भी अच्छे मिलते हैं।

आज न्यू कैंपस में होगा एलयू का दीक्षांत समारोह

राजभवन अतिथि गृह में पत्रकारों से बातचीत में इसरो के पूर्व अध्यक्ष कृष्णास्वामी कस्तूरीरंगन ने कहा कि भारत हमेशा से शिक्षा का बड़ा केंद्र रहा है। प्राचीन काल में पूरे विश्व से छात्र आकर हमारे नालंदा सहित अन्य विश्वविद्यालयों में अध्ययन करते थे। क्योंकि हमारी यहां की शिक्षा पद्धति बाहरी देशों की शिक्षा व्यवस्था से अच्छी थी।

NBT PAGE 6

आज लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे पद्म विभूषण डॉ. के. कस्तूरीरंगन, बोले...

पढ़ाई और शोध के लिए अलग-अलग विवि की जरूरत

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

पद्म विभूषण डॉ. कृष्णास्वामी कस्तूरीरंगन।

लखनऊ विवि का 65वां दीक्षांत समारोह शनिवार को न्यू कैंपस में होगा। इसके मुख्य अतिथि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी) के चेयरमैन रहे व पद्म विभूषण से सम्मानित डॉ. कृष्णास्वामी कस्तूरीरंगन होंगे। समारोह से पहले शुक्रवार को उन्होंने नई शिक्षा नीति के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि रिसर्च और एजुकेशन के लिए अलग-अलग विश्वविद्यालय होने चाहिए। इसके साथ कम्पलीट एजुकेशन के लिए अलग कॉलेज और विश्वविद्यालय होने चाहिए।

डॉ. के कस्तूरीरंगन ने कहा कि नई शिक्षा नीति पूरी तरह लागू होने में अभी 10 साल लग जाएंगे। इसके बाद अगले 10 साल में इसकी समीक्षा की जाएगी कि इसके क्या-क्या फायदे हुए। उन्होंने कहा कि पुरानी शिक्षा नीति समय के साथ पुरानी हो गई थी। ऐसे में नई शिक्षा नीति को ड्राफ्ट करना चाहता ही आवश्यक था। ऐसे में एनईपी पर वर्ष 2014 से ही काम शुरू कर दिया गया। उस वक्त हमें तत्कालीन मंत्री स्मृति ईरानी के साथ केंद्र सरकार का खासा सहयोग मिला। उन्होंने इस शिक्षा नीति को तैयार करने के मकसद पर बात करते हुए बताया कि इससे युवाओं को उनके मन मुताबिक पढ़ाई करने का मौका मिले। वह आसानी से अपनी रुचि अनुसार पाठ्यक्रम में दाखिला ले सकेंगे। जिससे उन्हें न सिर्फ रोजगार की प्राप्ति होगी बल्कि वह नये आयामों को भी छू सकेंगे।

कृष्णास्वामी कस्तूरीरंगन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को तैयार करने में चुनौतियों पर भी बात की। उन्होंने बताया कि हम जब क्षेत्रीय भाषाओं के आधार पर पाठ्यक्रमों को चलाने के बारे में सोच रहे थे। उस समय हमने हर एक भाषा के जानकारों से बात की। साथ ही हमने शिक्षण संस्थाओं, धार्मिक शिक्षण संस्थाओं, मदरसा और ईसाई समुदाय के भी नेताओं से बातचीत उनका पक्ष जाना। जिससे कि इसे अमल में कोई परेशानी न हो और यह सभी वरदान से अमल करे। कृष्णास्वामी कस्तूरीरंगन ने कहा कि अभी इसे पूरी तरह से अमल होने में 10 साल का समय लगेगा, जिसके बाद इसका दोबारा मूल्यांकन किया जाएगा।

पद्म विभूषण से पुरस्कृत होंगे पद्मश्री

इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. कस्तूरीरंगन को पद्म विभूषण से सम्मानित किया जाएगा। वहीं, इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. के. शिवन, इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. के. राधाकृष्णन, इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ, इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. के. कस्तूरीरंगन, इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. के. कलैसावी, इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. के. स